पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VIII
Hindi
Specimen copy
Year- 2021-22
Month-June, July

अनुक्रमणिका

क्रम . नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	जून	* **पाठ -3 बस की यात्रा** * **कविता -4 दिवानों की हस्ती** * भारत की खोज पाठ -2,3 * व्याकरण – वाक्य , संधि * लेखन विभाग – पत्र लेखन , संवाद लेखन
2	जुलाई	* **पाठ -5 चिटठियों की अनूठी दुनिया** * **कविता -6 भगवान के डाकिए** * भारत की खोज पाठ – 4 * व्याकरण – विशेषण , उपसर्ग और प्रत्यय * लेखन विभाग – अनुच्छेद , सूचना -लेखन

पाठ -3 बस की यात्रा

(लेखक – हरिशंकर परसाई)

➢ बस की यात्रा पाठ सार

एक बार लेखक अपने चार मित्रों के साथ बस से जबलपुर जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए अपनी यात्रा बस से शुरु करने का फैसला लेते हैं। परन्तु कुछ लोग उसे इस बस से सफर न करने की सलाह देते हैं। नाजुक हालत देखकर लेखक की आँखों में बस के प्रति श्रद्धा के भाव आ जाते हैं। इंजन के स्टार्ट होते ही ऐसा लगता है की पूरी बस ही इंजन हो। सीट पर बैठ

कर वह सोचता है वह सीट पर बैठा है या सीट उसपर। कुछ समय की यात्रा के बाद बस रुक गई और पता चला कि पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया है। ऐसी दशा देखकर वह सोचने लगा न जाने कब ब्रेक फेल हो जाए या स्टेयरिंग टूट जाए।आगे पेड़ और झील को देख कर सोचता है न जाने कब टकरा जाए या गोता लगा ले।अचानक बस फिर रुक जाती है। आत्मग्लानि से मनभर उठता है और विचार आता है कि क्यों इस वृद्धा पर सवार हो गए।इंजन ठीक हो जाने पर बस फिर चल पड़ती है किन्तु इस बार और धीरे चलती है।आगे पुलिया पर पहुँचते ही टायर पंचर हो जाता है। अब तो सब यात्री समय पर पहुँचने की उम्मीद छोड़ देते है तथा चिंता मुक्त होने के लिए हँसी-मजाक करने लगते है।अंत में लेखक डर का त्याग कर आनंद उठाने का प्रयास करते हैं तथा स्वयं को उस बस का एक हिस्सा स्वीकार कर सारे भय मन से निकाल देते हैं।

➢ नए शब्द

1) वयोवृद्ध
2) हाज़िर
3) रंक
4) सफ़र
5) गज़ब
6) निमित्त
7) ट्रेनिग
8) गुजर

➢ शब्दार्थ

1) हाज़िर: उपस्थित
2) सफ़र: यात्रा
3) डाकिन: डराने वालीठमड़: जमा होना
4) वयोवृद्ध: बूढ़ी या पुरानी
5) निशान: चिन्ह
6) वृद्धावस्था: बुढापा
7) कष्ट: परेशानी
8) सवार: चढ़ा
9) हिस्सेदार: साझेदार
10) गज़ब: आश्चर्य
11) रंक : गरीब
12) कूच करने: जाना
13) निमित्त: कारण

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कुल कितने लोग शाम की बस से यात्रा करने वाले थे?
(a) तीन
(b) चार
(c) पाँच
(d) छह

2) इस पाठ के लेखक कौन हैं?
(a) भगवती चरण वर्मा
(b) राम दरश मित्र
(c) कामतानाथ
(d) हरिशंकर परसाई

3) पन्ना से सतना के लिए बस कितनी देर बाद मिलती है?
(a) आधा घंटा
(b) एक घंटे बाद
(c) दो घंटे बाद
(d) प्रातः काल

4) यह बस कहाँ की ट्रेन मिला देती है?

(a) सतना की **(b)** पन्ना की

(c) जबलपुर की (d) भोपाल की

5) उस बस में कंपनी के कौन सवार थे?

(a) चौकीदार **(b)** हिस्सेदार

(c) दावेदार (d) इनमें से कोई नहीं

6) लेखक हरे-भरे पेड़ों को क्या समझता था?

(a) जीवनदाता (b) मित्र

(c) शत्रु (d) शुभचिंतक

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 लेखक को क्या देखकर लगा कि बस इसमें गोता लगाएगी?

उत्तर - झील

प्रश्न-2 लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?

उत्तर – वृद्धावस्था

प्रश्न-3 लेखक और उसके मित्र कुल कितने सदस्य थे, जिन्हें बस की यात्रा करनी थी?

उत्तर - पाँच

प्रश्न-4 पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक कौन हैं?

उत्तर – पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं।

प्रश्न-6 पहली बार बस किस कारण रुकी?

उत्तर - पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।

प्रश्न-7 कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

उत्तर - कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए कहा - बस तो फर्स्ट क्लास है जी !

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर - विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को लगा कि जैसे वह मरने के लिए जा रहा हो और लोग उसे अंतिम विदाई देने आए हों।

प्रश्न-2 आशय स्पष्ट कीजिए -'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'

उत्तर – इस कथन का आशय यह है कि मनुष्य को इस संसार को त्यागने अर्थात मरने के लिए एक साधन की आवश्यकता होती है। यहाँ वह साधन बस है जिसमें कि लेखक और उसके मित्र यात्रा कर रहे हैं।

प्रश्न-3 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर – बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

प्रश्न-4 लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। लेखक को ऐसा क्यों लगा कि हिस्सेदार की योग्यता का सही उपयोग नहीं हो रहा है?

उत्तर – इस व्यंग्य कथन के माध्यम से लेखक ने कहा है कि बस कंपनी के हिस्सेदार को मालूम था कि बस के टायर घिसे - पिटे हैं और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उसे न तो स्वंय की जान की परवाह थी और न ही यात्रियों की जान की। उसने टायर बदलने का ज़रा विचार नहीं किया।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न- 1 सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है?

उत्तर - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेज़ी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

प्रश्न-2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर - बस की हालत बहुत खराब थी। उसका सारा ढाँचा बुरी हालत में था, अधिकतर शीशें टूटे पड़े थे। इंजन और बस की बॉडी का तो कोई तालमेल नहीं था। बस का कोई भरोसा नहीं था कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। कई लोग पहले भी उस बस से सफ़र कर चुके थे। वो अपने अनुभवों के आधार पर ही लेखक व उसके मित्र को बस में न बैठने की सलाह दे रहे थे। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह थी।

व्याकरण

➢ वाक्य

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।

उदाहरण : 'सत्य की विजय होती है।'

वाक्य के दो अंग होते है|

- उद्देश्य
- विधेय

<u>उद्देश्य</u> कर्ता को कहते है और कर्ता के अलावा जो भी बात वाक्य में कही जाए उसे <u>विधेय</u> कहते है ।

वाक्य भेद दो प्रकार से किए जा सकते है-

- अर्थ के आधार पर वाक्य भेद(8)
- रचना के आधार पर वाक्य भेद(3)

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते है –

- विधान वाचक वाक्य
- निषेधवाचक वाक्य
- प्रश्नवाचक वाक्य
- विस्म्यादिवाचक वाक्य
- आज्ञावाचक वाक्य
- इच्छावाचक वाक्य
- संकेतवाचक वाक्य
- संदेहवाचक वाक्य

1) विधानवाचक वाक्य - वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है, वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

- भारत एक देश है।
- राम के पिता का नाम दशरथ है।
- दशरथ अयोध्या के राजा हैं।

2) निषेधवाचक वाक्य- जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।

जैसे-

- मैंने दूध नहीं पिया।
- मैंने खाना नहीं खाया।

3) प्रश्नवाचक- वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार प्रश्न किया जाता है, वह प्रश्नवाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

- भारत क्या है?
- राम के पिता कौन है?
- दशरथ कहाँ के राजा है?

4) आज्ञावाचक वाक्य- वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार की आज्ञा दी जाती है या प्रार्थना की जाती है, वह आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है।

उदाहरण –

- कृपया बैठ जाइये।
- शांत रहो।
- कृपया शांति बनाये रखें।

5) विस्मयादिवाचक- वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की गहरी अनुभूति का प्रदर्शन किया जाता है, वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता हैं।

उदाहरण –

- अहा! कितना सुन्दर उपवन है।
- ओह! कितनी ठंडी रात है।
- बल्ले! हम जीत गये।

6) इच्छावाचक- जिन वाक्यों में किसी इच्छा, आकांक्षा या आशीर्वाद का बोध होता है, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- भगवान तुम्हें दीर्घायु करे।
- नववर्ष मंगलमय हो।

7) संकेतवाचक - जिन वाक्यों में किसी संकेत का बोध होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- राम का मकान उधर है।
- सोनु उधर रहता है।

8) संदेहवाचक - जिन वाक्यों में संदेह का बोध होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण-

- क्या वह यहाँ आ गया ?
- क्या उसने काम कर लिया ?

<u>रचना के आधार</u> पर वाक्य के निम्नलिखित <u>तीन भेद</u> होते हैं-'

1. सरल वाक्य/साधारण वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्रित/मिश्र वाक्य

(1) सरल वाक्य/ साधारण वाक्य- जिन वाक्यों में एक ही विधेय होता है, उन्हें सरल वाक्य या साधारण वाक्य कहते हैं, इन वाक्यों में एक ही क्रिया होती है|

जैसे-

- मुकेश पढ़ता है।
- राकेश ने भोजन किया।

(2) संयुक्त वाक्य- जिन वाक्यों में दो-या दो से अधिक सरल वाक्य समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े हों, उन्हें संयुक्त वाक्य कहते है|

जैसे- प्रिय बोलो पर असत्य नहीं।

- इसकी तलाशी लो और घडी मिल जाएगी।

- करो या मरो।
- मोहन एक पुस्तक चाहता था और वह उसे मिल गई।
- मैं वहाँ पहुँचा और तुरन्त घंटा बजा।

(3) मिश्रित/मिश्र वाक्य - जिन वाक्यों में एक मुख्य या प्रधान वाक्य हो और अन्य आश्रित उपवाक्य हों, उन्हें मिश्रित वाक्य कहते हैं।

जैसे-

- यदि परिश्रम करोगे तो, उत्तीर्ण हो जाओगे।
- मैं जानता हूँ कि तुम्हारे अक्षर अच्छे नहीं बनते।
- वह जो लड़का है छोटा है।
- यह वही बच्चा है जिसको बैल ने सींग मारा था।
- जो गरीबों की सहायता करते हैं वे धर्मात्मा होते हैं।

लेखन-विभाग

➢ पत्र लेखन

आपकी बड़ी बहन के विवाह पर अपने मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |

20/ कैलाश नगर
करोलबाग ,
दिल्ली |
दिनांक.....
प्रिय सखी
मधुरस्मृति

तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी बड़ी बहन नेहा दीदी का शुभ विवाह 10 फरवरी 2020 को होना निश्चित हुआ है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस अवसर पर तुम भी यहाँ आ जाओ और कार्यक्रम में सम्मिलित हो।

पत्र के साथ मैं कार्यक्रम संबंधी पूरी जानकारी भेज रही हूँ तथा एक निमंत्रण पत्र तुम्हारे माता-पिता के लिए भी संलग्न कर रही हूँ। मेरे माता-पिता की इच्छा है कि तुम्हारे माता-पिता भी इस अवसर पर पधारकर कृतार्थ करें। पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में।

तुम्हारी सखी
अंशु

➢ गतिविधि – आप किसी यात्रा पर गए होंगे उस पर दस- बारह वाक्य लिखिए |

कविता-4 दिवानों की हस्ती

(कवि – भगवतीचरण वर्मा)

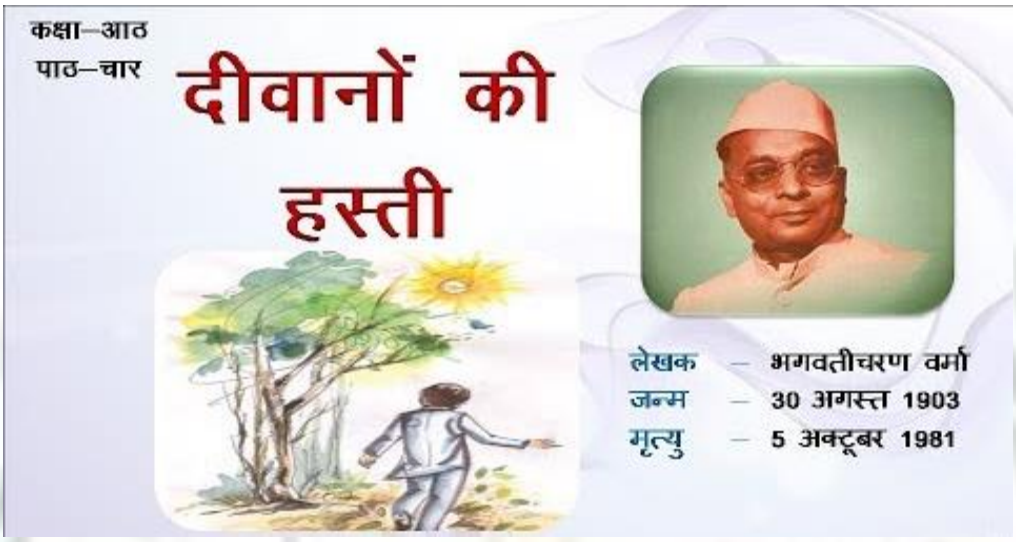

➢ दीवानों की हस्ती पाठ सार

प्रस्तुत कविता में कवि का मस्त-मौला और बेफिक्री का स्वभाव दिखाया गया है । मस्त-मौला स्वभाव का व्यक्ति जहां जाता है खुशियाँ फैलाता है। वह हर रूप में प्रसन्नता देनेवाला है चाहे वह ख़ुशी हो या आँखों में आया आँसू हो। कवि 'बहते पानी-रमते जोगी' वालीकहावत के अनुसार एक जगह नहीं टिकते। वह कुछ यादें संसार को देकर और कुछ यादें लेकर अपने नये-नये सफर पर चलते रहते है | वह सुख और दुःख को समझकर एक भाव से स्वीकार करते हैं। कवि संसारिक नहीं हैं वे दीवाने हैं। वह संसार के सभी बंधनों से मुक्त हैं। इसलिए संसार में कोई अपना कोई पराया नहीं है। जिस जीवन को उन्होने खुद चुना है उससे वे प्रसन्न हैं और सदा चलते रहना चाहते हैं।

➢ नए शब्द

1) आलम
2) जग
3) हस्ती
4) स्वच्छंद
5) उर
6) आबाद

➢ शब्दार्थ

1) हस्ती:अस्तित्व
2) मस्ती:मौज
3) आलम:दुनिया
4) उल्लास: ख़ुशी
5) दीवानों: अपनी मस्ती में रहने वाले
6) भाव: एहसास
7) जग: संसार
8) भिखमंगों: भिखारियों
9) स्वच्छंद: आजाद
10) निसानी: चिन्ह
11) उर: ह्रदय
12) भार: बोझ
13) आबाद: बसना
14) स्वयं: खुद

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'दीवानों की हस्ती' कविता के रचयिता कौन हैं?
   (a) महादेवी वर्मा **(b)** भगवतीचरण वर्मा
   (c) सुभाष गताडे (d) जया जादवानी
2) इस कविता में किसकी हस्ती की बात कही गई है?
   (a) कवि की (b) दीवानों की
   (c) आम लोगों की (d) सभी की
3) मस्ती भरा जीवन जीने वाले लोगों के बीच क्या बन जाते हैं ?
   (a) आदर्श (b) शोक
   (c) मेहमान **(d)** उल्लास
4) वे संसार से कैसा भाव रखते हैं?
   (a) मैत्रीभाव का **(b)** समान भाव का
   (c) ईर्ष्या भाव का (d) भावुकता से भरा भाव
5) बलि-वीरों के मन में बलि होने की चाहत किसके लिए है?
   (a) परिवार के लिए (b) राज्य के लिए
   (c) देश के लिए (d) अपने-आप के लिए
6) यह दुनिया किनकी है?
   (a) भिखमंगों की (b) दीवानों की
   (c) कवि की (d) सभी की

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?
उत्तर – कवि सुख और दुःख को समान भाव से ग्रहण करता है।
प्रश्न-2 कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?
उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।
प्रश्न-3 कवि सुख - दुःख की भावना से निर्लिप्त क्यों है?
उत्तर - कवि सुख - दुःख की भावना से इसलिए निर्लिप्त है क्योंकि वह सुख और दुःख को समान भाव

से देखता है।

प्रश्न-4 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर - कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती - रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।

प्रश्न-5 कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा इसलिए कहा है क्योंकि दुनिया में सभी लोग एक दूसरे से कुछ न कुछ माँगते रहते हैं।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर - कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकरआया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

प्रश्न-2 कवि ने अपने आप को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तर- कवि ने अपने आप को दीवाना इसलिए कहा है क्योंकि वह मस्तमौला है। उसे किसी बात की फिक्र नहीं है। वह अपनी मस्ती में ही बिना किसी मंज़िल के आगे बढ़ा चला जा रहा है।

प्रश्न-3 कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?

उत्तर - कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न उसे किसी बात का दुःख है और ना ही किसी बात की खुशी। उसका रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है की कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने पर लोगों में जोश तथा ख़ुशी का संचार होता है। कवि लोगों में खुशियाँ बाटता है। इसी कारण लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

व्याकरण

➢ संधि की परिभाषा

दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं।

दूसरे अर्थ में- संधि का सामान्य अर्थ है मेल। इसमें दो अक्षर मिलने से तीसरे शब्द की रचना होती है, इसी को संधि कहते है।

संधि का शाब्दिक अर्थ है- मेल या समझौता। जब दो वर्णों का मिलन अत्यन्त निकटता के कारण होता है तब उनमें कोई-न-कोई परिवर्तन होता है और वही परिवर्तन संधि के नाम से जाना जाता है।

➢ **संधि विच्छेद-** उन पदों को मूल रूप में पृथक कर देना संधि विच्छेद है।

जैसे- हिम + आलय= हिमालय (यह संधि है),

अत्यधिक= अति + अधिक (यह संधि विच्छेद है)

- यथा + उचित= यथोचित
- अखि + ईश्वर= अखिलेश्वर
- आत्मा + उत्सर्ग= आत्मोत्सर्ग
- महा + ऋषि= महर्षि

1- राष्ट्राध्यक्ष – राष्ट्र + अध्यक्ष
2- नयनाभिराम – नयन + अभिराम
3- युगान्तर – युग + अन्तर
4- शरणार्थी – शरण + अर्थी
5- सत्यार्थी – सत्य + अर्थी
6- दिवसावसान – दिवस + अवसान
7- प्रसंगानुकूल – प्रसंग +अनुकूल
8- विद्यानुराग – विद्या + अनुराग
9- परमावश्यक – परम + आवश्यक
10- उदयाचल – उदय + अचल

लेखन -विभाग

➢ **संवाद लेखन**

परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

अक्षर – नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?

विमल – नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।

अक्षर – मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?

विमल – पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।

अक्षर – ऐसा क्यों?

विमल – जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।

अक्षर – कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।

विमल – पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।

अक्षर – कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।

विमल – पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।

अक्षर – सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।

विमल – तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

➢ **गतिविधि –** कविता में दिया गया चित्र बनाए ।

भारत की खोज

पाठ– 2 तलाश

➢ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) नेहरू जी के मन में भारत के विषय में कौन -कौन से प्रश्न उठते थे ?

- वे सोचते थे कि आखिर यह भारत है क्या ? वह शक्ति कैसे खोता गया ? यह विश्व से अपना तालमेल किस रूप में बैठता है ? ये सारे प्रश्न नेहरू जी के मन में उठते थे |

2) हिमालय के **हृदय से कौन -कौन सी नदियाँ निकली हैं ?**

- हिमालय के हृदय से गंगा , यमुना , सिंधु , ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ निकली है |

3) नेहरू जी ने भारत को किस दृष्टि से देखना शुरू किया ?

- नेहरू जी ने भारत को एक आलोचक कि दृष्टि से देखना शुरू किया |

4) गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने क्या लिखा है ?

- गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने इतिहास के आरंभ से ही भारत के हृदय पर राज किया है और लाखों की तादाद में लोगों को अपने तटों की ओर खींचा है |

5) नेहरू जी ने सिंधु घाटी-स्भ्यता के विषय में क्या कहा है ?

- नेहरू जी ने सिंधु घाटी सभ्यता के विषय में कहा है कि यह सभ्यता एवं संस्कृति पाँच -छ हजार या उससे भी अधिक समय तक परिवर्तनशील रहकर विकासमान रही और यह निरंतर कायम रही |

6) मोहजोदड़ो की सभ्यता कितने वर्ष पुरानी है?

(a) 3000 वर्ष **(b) 5000** वर्ष
(c) 6000 वर्ष (d) 4000 वर्ष

7) सिंधु नदी का दूसरा नाम है?

(a) इंडस (b) इंडिया
(c) इंदु (d) इंद्रनील

8) एशिया की शक्ति कम होने पर कौन-सा द्वीप आगे बढ़ा?

(a) यूरोप (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) इंग्लैंड (d) इंडोनेशिया

9) भारत का कौन-सा वर्ग इस समय बदलाव की कामना करता था?

(a) निम्न वर्ग **(b)** मध्यम वर्ग
(c) उच्च वर्ग (d) शासक वर्ग

10) भारत का नाम किसके नाम पर पड़ा?

(a) राजा भारत **(b)** राजा भरत
(c) भरतमुनि (d) भारद्वाज

भारत की खोज

पाठ -3 सिंधु घाटी सभ्यता

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) भारत के अतीत की सबसे पहली तस्वीर कहाँ मिलती है ?

- भारत के अतीत की सबसे पहली तस्वीर सिंधु घाटी की सभ्यता में मिली |

2) सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में क्या अनुमान लगाया जा सकता है ?

- सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है कि यह सभ्यता पूरी तरह से विकसित थी |

3) आर्य कौन थे ? वे कहाँ से आए थे ?

- आर्य द्रविड़ जाति से ही बने हुए थे | आर्य मोहेंजोदारों के समय से कई हजार वर्ष पूर्व भारत आए होंगे |

4) तक्षशिला के अवशेष कितने प्राचीन थे?

- तक्षशिला के अवशेष दो हज़ार वर्ष पूर्व प्राचीन थे |

5) सिंधु घाटी सभ्यता कितनी प्राचीन है?

- सिंधु घाटी सभ्यता छह-सात हज़ार वर्ष पूर्व प्राचीन है |

6) आर्यों की मुख्य जीविका क्या थी?

- आर्यों कि मुख्य जीविका कृषि थी |

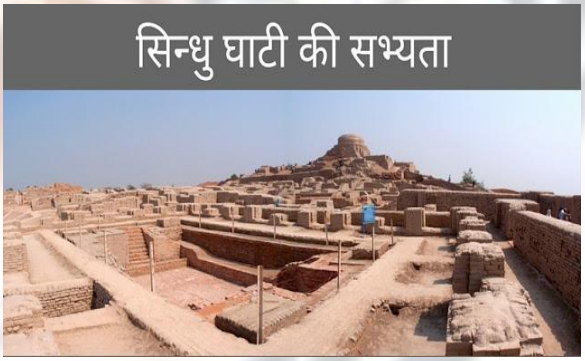

7) ऋगवेद की रचना कितने साल पुरानी है?

- 1500 ईसा पूर्व

8) किस वेद की उत्पत्ति सबसे पहले हुई थी?

- ऋगवेद कि उत्पति सबसे पहले हुयी थी |

9) 'अर्थशास्त्र' की रचना कब हुई थी?

- ई.पू. चौथी शताब्दी

10) भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों का नाम बताइए।

- रामायण व महाभारत

11) प्राचीन समय में भारत की राजधानी थी।

(a) लखनऊ (b) कानपुर

(c) जम्मू **(d)** इंद्रप्रस्थ

12) इनमें महाभारत का मुख्य भाग कौन-सा है?

(a) पुराण (b) गीता

(c) रामायण **(d)** भगवद्गीता

13) सबसे पहले प्राचीन काल में किस लिपि का निर्माण हुआ?

(a) देवनागरी **(b)** ब्राह्मी लिपि

(c) रोमन लिपि (d) गुरुमुखी

पाठ -5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

(लेखक – अरविंद कुमार सिंह)

➢ चिट्ठियों की अनूठी दुनिया पाठ सार

लेखक 'पत्र' की महत्ता बताते हैं की आज का युग वैज्ञानिक युग है। मनुष्य के पास अनेक संचार के साधन हैं फिर भी मनुष्य पत्रों का सहारा जरूर लेता है। वे कहते हैं इनके नाम भी भाषा के अनुसार अलग-अलग हैं। तेलगू में उत्तरम, कन्नड़ में कागद, संस्कृत में पत्र, उर्दू में खत, तमिल में कडिद कहा जाता है। आज भी कई लोग अपने पुरखों के पत्र सहेजकर रखें हैं। हमारे सैनिक अपने घर वालों के पत्रों का इंतजार बड़ी बेसब्री से करते हैं।पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी पत्र के महत्त्व को माना है। लेखक कहते हैं कि २०वीं शताब्दी में पत्र केवल संचार का साधन ही नहीं अपितु एक कला मानी गई है। मोबाइल से प्राप्त एसमएस तो लोग मिटा देते हैं परन्तु पत्र हमेशा सहेज कर रखते हैं। चाहे गरीब हो या अमीर सभी को अपने प्रियजनों से प्राप्त पत्र का इन्तजार रहता है। गरीब बस्ती में तो मनीऑर्डर लेकर आने वाले डाकिए को लोग देवता समझते हैं। अंत में वे कहते हैं कि अत्यधिक संचार साधनों के होने के बावजूद भी पत्रों की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

➢ नए शब्द

1) देहाती
2) दायरा
3) शताब्दी
4) प्रयास
5) पुरखों
6) अनुसंधान
7) केंद्रित
8) अनूठी
9) हरकारे
10) मिसाल

➢ शब्दार्थ

1) सिलसिला: चलन
2) विवाद: झगड़ा
3) दुनिया: संसार
4) तमाम: बहुत
5) केंद्रित:आधारित
6) अनूठी: अलग
7) तह: गहराई
8) ठिकानों: जगह
9) देहाती: गाँव
10) सहेजकर: संभालकर
11) विकसित: बढ़ावा
12) संदेह: शक
13) संस्कृति: परम्परा
14) दायरा: सीमा
15) हरकारे: दूत
16) मिसाल: उदहारण
17) अनुसंधान: खोज

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) पत्रों ने किन-किन क्षेत्रों को प्रभावित किया है?

(a) कला के क्षेत्र को
(b) राजनीति के क्षेत्र को
(c) साहित्य के क्षेत्र को
(d) उपर्युक्त सभी

2) संदेश पहुँचाने का काम कौन शीघ्र करने लगा?

(a) घोड़े (b) वायुयान
(c) रेलवे और तार (d) पत्र

3) भारत वर्ष में लगभग कितनी चिट्ठियाँ डाली जाती हैं?

(a) साढ़े तीन करोड़ (b) साढ़े पाँच करोड़
(c) साढ़े चार करोड़ (d) साढ़े छह करोड़

4) कन्नड़ भाषा में पत्र को क्या कहते हैं

(a) कागद (b) उत्तरम्
(c) खत (d) कडिद

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 संचार के कुछ आधुनिक साधन लिखिए।

उत्तर – फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन, मोबाइल आदि संचार के कुछ आधुनिक साधन हैं।

प्रश्न-2 चिठ्ठियों की तेजी को किसने प्रभावित किया है?

उत्तर - तार तथा रेलवे ने चिठ्ठियों की तेजी को बढ़ाया वहीं फैक्स, ईमेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ने चिठ्ठियों की तेजी को रोका है।

प्रश्न-3 आज़ादी के समय में पत्रों ने किस प्रकार भूमिका निभाई?

उत्तर आज़ादी के आंदोलन की कई अन्य दिग्गज हस्तियों के संदेश को जन - जन तक पहुँचाने में पत्र सहायक सिद्ध हुए।

प्रश्न-4 गाँवों या गरीब बस्तियों में किसे देवदूत के रूप में देखा जाता है?

उत्तर - गाँवों या गरीब बस्तियों में चिठ्ठी या मनीऑडर लेकर पहुँचने वाला डाकिया देवदूत के रूप में देखा जाता है।

प्रश्न-5 पत्र को उर्दू, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु तथा तमिल में क्या कहा जाता है?

उत्तर – पत्र को उर्दू में खत, संस्कृत में पत्र, कन्नड़ में कागद, तेलुगु में उत्तरम, जाबू और तथा तमिल में कडिद कहा जाता है।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 विश्व डाक संघ की ओर से सन् 1972 से किस प्रतियोगिता का सिलसिला शुरू किया गया?

उत्तर – विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का कार्यक्रम सन् 1972 से शुरू किया गया।

प्रश्न-2 पुराने समय में पत्रों का अधिक महत्व क्यों था?

उत्तर – पुराने समय में अन्य संचार साधनों के आभाव होने के कारण पत्रों का अधिक महत्व था। उस समय में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी किसी को पत्र न लिखा या न लिखाया हो या पत्रों का बे सब्री से इंतजार न किया हो।

प्रश्न-3 किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफ़ाफ़े पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर कौन-सी कठिनाई आ सकती है?

उत्तर - बिना टिकट सादे लिफ़ाफ़े पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर पत्र को पाने वाले व्यक्ति को टिकट की धनराशि जुर्माने के रूप में देनी होगी तभी उसे पत्र दिया जाएगा। अन्यथा पत्र वापस चला जाएगा।

प्रश्न-4 ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया' पता लिखकर आते थे?

उत्तर - महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया' पता लिखकर आते थे क्योंकि वह अपने समय के सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति थे। गाँधी जी कही भी रहे, यह सभी देशवासियों को पता होता था। इसलिए उनको पत्र अवश्य मिल जाता था।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर - पत्रों का चलन न कभी कम हुआ था, न कभी कम होगा। चिट्ठियों की जगह कोई नहीं ले सकता है। पत्र लेखन एक साहित्यिक कला है परन्तु फेक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल जैसे तकनीकी माध्यम केवल काम-काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं।

प्रश्न-2 पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे?

उत्तर - पिन कोड किसी खास क्षेत्र को संबोधित करता है कि यह पत्र किस राज्य के किस क्षेत्र का है। इसके साथ व्यक्ति का नाम और नंबर आदि भी लिखना पड़ता है।पिन कोड का पूरा रूप है पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह 6 अंको का होता है। हर एक का खास स्थानीय अर्थ होता है, जैसे – १ अंक राज्य, २ और ३ अंक उपक्षेत्र, अन्य अंक क्रमशः डाकघर आदि के

होते है। इस प्रकार पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है।

व्याकरण

विशेषण

विशेषण – विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

1. अंशु बड़ी होशियार है।
2. पिता जी बिलकुल स्वस्थ हैं।
3. लोमड़ी बहुत चतुर है।

इन वाक्यों में आए बड़ी, बिलकुल, और बहुत शब्द क्रमशः होशियार, स्वस्थ तथा चतुर (विशेषण शब्दों) की विशेषता बता रहे हैं।

विशेषण के भेद – विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं।

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिणामवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण – जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग या आकार, आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

- सेब मीठा है।
- काला घोड़ा तेज़ दौड़ा।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण किसी संज्ञा की संख्या का बोध कराए, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं

- निश्चित संख्यावाचक विशेषण
- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(i) निश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का बोध होता है, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। पाँच गाय, दस सेब, एक दर्जन केले आदि।

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध नहीं कराते हैं, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे- कुछ लड़के, थोड़े पैसे, बहुत पुस्तकें आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण – जो विशेषण अपने विशेष्य की मात्रा या परिमाण के विषय में जानकारी देते हैं, 'परिमाणवाचक : विशेषण' कहे जाते हैं;

जैसे

- दो किलो आलू
- चार लीटर दूध
- थोड़ा सा चीनी
- बहुत गरमी

4. सार्वनामिक विशेषण – जो सर्वनाम शब्द संज्ञाओं से पहले आकर उनकी ओर संकेत करते हैं, उन्हें 'संकेतवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे|

- यह लड़का पढ़ रहा है।
- वे हिरण भाग रहे हैं।

लेखन -विभाग

अनुच्छेद

* वन और पर्यावरण का सम्बन्ध

संकेत-बिंदु -

वन प्रदुषण-निवारण में सहायक,
वनों की उपयोगिता,
वन संरक्षण की आवश्यकता,
वन संरक्षण के उपाय।

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए पृथ्वी के 33% भाग को अवश्य हरा-भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक हैं। ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि प्रदुषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के भण्डार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 % वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों को संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण काम
है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

* गतिविधि – पत्र- पेटिका का चित्र बनाए |

कविता -6 भगवान के डाकिए

(कवि – रामधारी सिंह दिनकर)

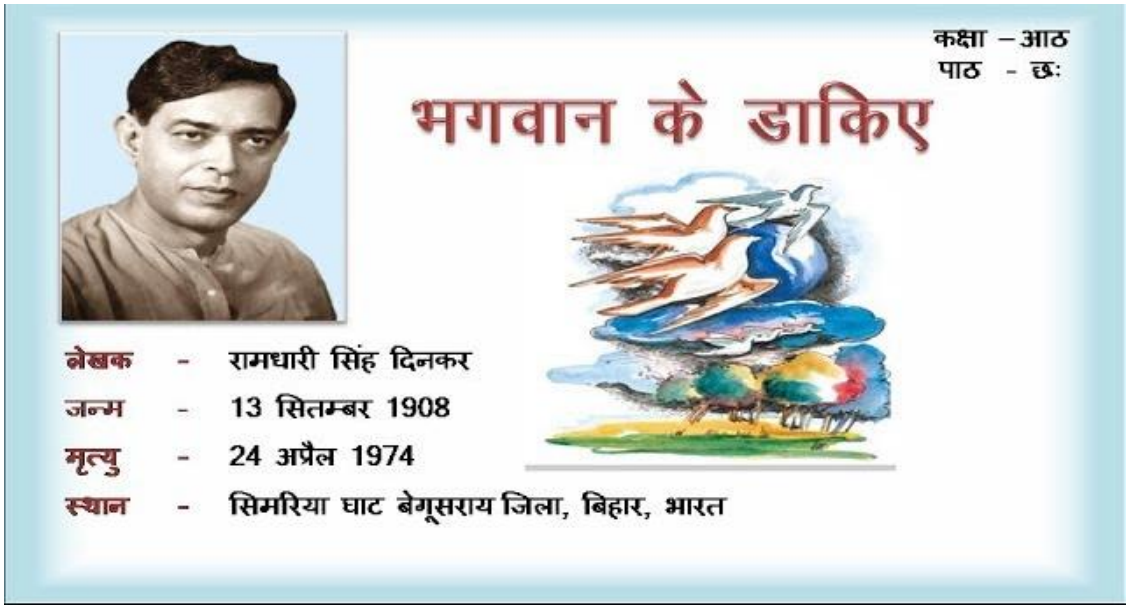

➢ भगवान के डाकिए पाठ सार

इस कविता में "दिनकर" जी बताते है की पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं जो एक विशाल देश का सन्देश लेकर दूसरे विशाल देश को जाते हैं। उनके लाये पत्र हम नहीं समझ पाते मगर पेड़-पौधे, जल और पहाड़ पढ़ लेते हैं। यहाँ कवि ने बादलों को हवा में और पक्षियों को पंखो पर तैरते दिखाया है। वे कहते है की एक देश की सुगन्धित हवा दूसरे देश पक्षियों के पंखों द्वारा पहुँचती है। इसी प्रकार बादलों के द्वारा एक देश का भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर गिरता है।

➢ नए शब्द

1) बाँचते
2) आँकत
3) सौरभ
4) तिरता
5) भाप

➢ शब्दार्थ

1) डाकिए: सन्देश देने वाला
2) महादेश: विशाल देश
3) बाँचते: पढ़ना
4) आँकत: अनुमान
5) धरती: पृथ्वी

6) सौरभः खुशबू 7) पाँखोंः पँख

8) चिट्ठियाँः पत्र 9) केवलः सिर्फ

10) तिरताः तैरता 11) भापः वाष्प

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?

(a) आपसी प्रेम का **(b)** विश्वबंधुत्व का

(c) भेद-भाव न करने का (d) निरंतर आगे बढ़ने का

2) एक देश की धरती द्वारा भेजा गया सौरभ दूसरे देश की धरती तक कैसे पहुँचता है?

(a) हवा से (b) फूल से

(c) धूल से **(d)** सुगंध

3) 'भगवान के डाकिए' द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?

(a) इंसान (b) पेड़-पौधे

(c) पानी (d) पहाड़

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'भगवान के डाकिए' कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर - 'भगवान के डाकिए' कविता के रचयिता रामधारी सिंह 'दिनकर' जी हैं।

प्रश्न-2 क्या बादल सीमाओं को मानते हैं?

उत्तर - नहीं, बादल सीमाओं को नहीं मानते हैं।

प्रश्न-3 भगवान के डाकिए किन्हें कहा गया है?

उत्तर – भगवान के डाकिए पक्षी और बादल को कहा गया है।

प्रश्न-4 इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर – एकता, भाईचारे और सप्रेम से मिलजुलकर रहने का संदेश देना चाहता है।

प्रश्न-5 बादल और पक्षी क्या संदेश लेकर आते हैं?

उत्तर - बादल और पक्षी प्रकृति में होने वाले परिवर्तन का संदेश लेकर आते हैं।

प्रश्न-7 पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं?

उत्तर - पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदान-प्रदान को हम प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यही संदेश देते हैं।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"-कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भाव का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से और पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेमप्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है। इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

प्रश्न-2 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है?

उत्तर - कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए बताया है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। इन संदेशों को मनुष्य इतनी आसानी से नहीं पढ़ अथवा समझ पाते परन्तु पेड़ - पौधे, नदी - सागर आदि इनके संदेशों को बड़ी सरलता से पढ़ लेते हैं।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। तभी तो नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने जल को बाँटती है। पहाड़ भी सामान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। हवा भी समान भाव से बहती हुई अपनी ठंडक, शीतलता व सुगन्ध को बाँटती है। पेड़-पौधें भी समान भाव से अपने फल, फूल व सुगन्ध को बाँटते हैं। ये सभी कभी भेदभाव नही करते। मानव को भी इनसे प्रेरणा लेकर प्रेम और सद्भावना को बढ़ाना चाहिए।

प्रश्न-2 हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका पर दस वाक्य लिखिए।

उत्तर - डाकिए का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। पहले की तुलना में बेशक डाकिए अब कम ही दिखाई देते हैं परन्तु आज भी गाँवों में डाकिए का पहले की तरह ही चिट्ठियों को आदान-प्रदान करते हुए देखा जा सकता है। चाहे कितना मुश्किल रास्ता हो, ये हमेशा हमारी चिट्ठियाँ हम तक पहुँचाते आए हैं। आज भी गाँवों में डाकियों को विशेष सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। गाँव की अधिकतर आबादी कम पढ़ी लिखी होती है परन्तु जब अपने किसी सगे-सम्बन्धी को पत्र व्यवहार करना होता है तो डाकिया उनका पत्र लिखने में मदद करते है।

व्याकरण

उपसर्ग और प्रत्यय

संसार की समस्त भाषाओं में नित्य नवीन शब्दों का निर्माण होता रहता है। शब्द निर्माण की ऐसी ही एक कल्पना उपसर्ग और प्रत्यय की है ,जैसे मूल शब्द के आगे और पीछे शब्दांश जोड़कर नए शब्द का निर्माण ।

* उपसर्ग-

उपसर्ग में हम किसी मूल शब्द के आगे शब्दांश जोड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं । उपसर्ग शब्द का निर्माण उप और सर्ग के मिलने से हुआ है ।उप का अर्थ जहां आगे होता है वही सर्ग का मतलब होता है, जोड़ना इस प्रकार उपसर्ग की सबसे अर्थवान परिभाषा हुई," उपसर्ग वह शब्दांश है जो किसी शब्द के आगे लगकर नए नए शब्दों का निर्माण करता है।"

अति –अतिरिक्त, अतिशय, अतिशयोक्ति
अनु – अनुभव, अनुसार,अनुचर, अनुग्रह
निस् – निस्वार्थ, निष्कर्ष निष्पक्ष
परि – परिस्थिति, परिवार, परिहास
हम – हमसफ़र, हमशक्ल, हमदर्द
हर – हरअजीज , हरवक्त, हरदम
खुश –खुशफहमी, खुशदिल, खुशमिजाज
ला – लानत, लाचार, लाइलाज

* प्रत्यय-

प्रति और अवयव के मिलने से बना शब्द प्रत्यय- कहलाता है। वह शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे लग कर एक नए शब्द का निर्माण करता है प्रत्यय कहलाता है। जैसे पूजा में पा लगता है तो पुजापा बन जाता है।

आवट – मिलावट,लिखावट,बसावट, बनावट
आहट – फुसफुसाहट,मरमराहट, घबराहट। छटपटाहट
आया – बनाया, सुनाया, बहलाया, खिलाया
आक – छपाक,तपाक,चटाक, मजाक
आऊ – लडाऊ,गिराऊ,बुझाऊ,घुमाऊ
इमा – गरिमा, लघिमा
नाक – खतरनाक, दर्दनाक
दान – दीपदान, अंगदान, पिंडदान
कार – कलाकार चित्रकार पत्रकार, कुंभकार

लेखन -विभाग

सूचना लेखन

➢ आपकी स्कूल में योगाभ्यास कक्षा शुरू होनेवाली है जिसके लिए सूचना लिखिए |

सूचना

जे. एस. टी. पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली,

दिनांक - 26 जुलाई, 2019

प्रातः काल में योगाभ्यास कक्षा

आप सभी को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में छुट्टी के दिनों में प्रातः काल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलाई जाएँगी। जो भी विद्यार्थी योगाभ्यास की कक्षाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, वे अपना नाम अपने कक्षाध्यापक/कक्षाध्यापिका को दे सकते हैं। नाम देने की आखरी तारीख 30 जुलाई, 2019 है।

योगाभ्यास कार्यक्रम

स्थान - बास्केट बॉल मैदान

समय - प्रातः 6-7 बजे

दिनांक - प्रत्येक शनिवार एवं रविवार

शशांक त्रिवेदी

प्रधानाचार्य

➢ गतिविधि – भगवान के डाकिए का चित्र बनाए |

भारत की खोज

पाठ-4 युगों का दौर

➢ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) मौर्य साम्राज्य के अवसान के बाद उसका स्थान किसने लिया ?

- मौर्य साम्राज्य के अवसान के बाद उसका स्थान शुंग वंश ने लिया |

2) हेलिओदों स्तंभ के नाम से क्या प्रसिद्ध है ?

- हेलिओदों स्तंभ के नाम से ग्रेनाइट पत्थर की एक लाट प्रसिद्ध है|

3) बौद्ध धर्म किन दो सम्प्रदायो में बट गया ?

- महायान और हीनयान

4) नागार्जुन कौन थे ?

- नागार्जुन एक महान व्यक्ति एवं बौद्ध शास्त्र , भारतीय दर्शन के बड़े विद्वान थे |

5) संस्कृत भाषा का निर्माण कब व किसने किया था ?

- संस्कृत भाषा का निर्माण 2600 वर्ष पहले पाणिनी ने किया था |

6) कुषाणों का प्रसिद्ध शासक कौन था ?

- कुषाणों का प्रसिद्ध शासक नागार्जुन था |

7) भारत के पतन के क्या कारण थे?

- एक के बाद एक विदेशी शासक का भारत पर शासन करना और राजनीति का टूटना|

8) बाबर कौन था?

(a) मुगल शासन का संस्थापक (b) मुगल शासन का सेनापति

(c) इस्लाम धर्म का संस्थापक (d) एक विदेशी आक्रमणकारी

9) बाबर ने भारतीय सत्ता की नींव कब रखी?

(a) 1770 (b) 1530

(c) 1526 में (d) 1600

10) अकबर ने किस धर्म को चलाया?

(a) दीन.ए.एलाही (b) मुस्लिम धर्म

(c) इसाई धर्म (d) फ़ारसी धर्म

11) महमूद गज़नवी ने भारत पर आक्रमण की शुरुआत कब की?

(a) 1000 ई. में (b) 1100 ई. में

(c) 1200 ई. में (d) 800 ई. में

12) मुगल काल की वास्तुकला का सुंदर नमूना कौन-सा है?

(a) फतेहपुर सीकरी (b) कुतुबमीनार

(c) ताजमहल (d) लालकिला